ये अव्यक्त इशारे

सहजयोगी बनना है तो परमात्म प्यार के अनुभवी बनो

22-08-2025

जैसे लौकिक रीति से कोई किसके स्नेह में लवलीन होता है तो चेहरे से, नयनों से, वाणी से अनुभव होता है कि यह लवलीन है, आशिक है, ऐसे जिस समय स्टेज पर आते हो तो जितना अपने अन्दर बाप का स्नेह इमर्ज होगा उतना स्नेह का बाण औरों को भी स्नेह में घायल कर देगा।

In order to be an easy yogi, be experienced in God's love.

In a worldly way, when two people are in love with one another, you can tell by their face, their eyes and their words, that they are lost in love, as lovers. In the same way, when you go onto a stage, to the extent that the Father's love has emerged from you, accordingly, arrows of love will strike souls and wound them with love.